हिंदी विभाग

वार्षिक रिपोर्ट

(जनवरी से दिसंबर 2018)

हिंदी विभाग ने 10 जनवरी 2018 को विश्व पुस्तक मेला, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में अपनी अंतिम वर्ष की छात्राओं के साथ भागीदारी की । दल में कुल 31 छात्राएं और 4 प्राध्यापक थे । हिंदी विभाग ने 10 जनवरी 2018 को विश्व पुस्तक मेला, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में अपनी अंतिम वर्ष की छात्राओं के साथ भागीदारी की । दल में कुल 31 छात्राएं और 4 प्राध्यापक थे । डॉ. रजत रानी मीनू, डॉ. सुषमा सहरावत, डॉ. कुमारी अनीता और डॉ. साधना अग्रवाल विभाग का प्रतिनिधित्व किया । मेले में छात्राओं ने प्रतिष्ठित प्रकाशनों के स्टाल पर जाकर पुस्तकों की खरीद फरोख्त की जानकारियाँ प्राप्त की । उन्होंने सम्मानित कवियों, लेखकों और आलोचकों से मुलाकात कर बहुमूल्य अनुभव प्राप्त किये । उन्होंने पुस्तक विमोचन कार्यक्रमों का आनंद लिया और कई पुस्तकों को विमोचित होते हुए देखा । ये उनके लिए शानदार अनुभव था । इसके साथ ही उन्होंने देश विदेश के पुस्तक-प्रेमियों से संवाद स्थापित किया । पुस्तक मेला भ्रमण कार्यक्रम अपने उद्देश्य में सफल रहा ।

विभाग द्वारा 28 फरवरी को 'हिंदी में रोजगार की संभावनाएं' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला के सञ्चालन हेतु श्री शम्भूचरण मिश्र को आमंत्रित किया गया था । वे 'हिंदी माध्यम एवं कार्यान्वयन निदेशालय', दिल्ली विश्वविद्यालय में हिंदी अधिकारी हैं । कार्यक्रम का सञ्चालन तृतीय वर्ष की छात्रा प्रीती ने किया । शम्भु जी ने विस्तार से मीडिया, रिपोर्टिंग, अनुवाद, स्क्रिप्ट लेखन, टेलीविज़न लेखन, समाचार वाचन, अध्यापन आदि के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं पर अपनी प्रस्तुति दी । उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी की बढ़ती आर्थिक क्षमताओं पर प्रकाश डाला । यह कार्यशाला छात्राओं के लिए लाभदायक सिद्ध हुई । कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रजत रानी मीनू ने किया ।

14 मार्च 2018 को हिंदी विभाग द्वारा 'हिंदी नाटक प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया । नाटक प्रतियोगिता में हिंदी विभाग की छात्राओं द्वारा बेहतरीन प्रस्तुति की गईं । निर्णायक मंडल में डॉ.अनुराधा गुप्ता, डॉ.नीरू उपस्थित रहीं । जयंती लोहिया को बेहतरीन नाट्य निर्देशन के लिए, आफरीन को बेहतरीन अभिनय के लिए और पूजा राय को बेहतरीन पटकथा के लिए सम्मानित किया ।

हिंदी साहित्य परिषद् की और से 19 अप्रैल को पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मेधा पुरस्कार, सक्रिय योगदान के लिए पुरस्कार, रिपोर्टिंग हेतु पुरस्कार सर्वाधिक उपस्थिति हेतु 'आयाम' पत्रिका के सम्पादन हेतु पुरस्कार एवं नाट्य प्रदर्शन हेतु पुरस्कार प्रदान किये गये । राम भतेरी को मेधा पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।

2018-19 के सत्र का आरंभ 20 जुलाई 2018 को प्रारंभ हुआ । इस नए सत्र में हिंदी विभाग में प्रथम वर्ष के सेमेस्टर के लिए कुल 45 छात्राओं का नामांकन हुआ ।

हिंदी विभाग की छात्राओं का वार्षिक परिणाम अच्छा रहा । 2018-19 के सत्र का आरम्भ 20 जुलाई 2018 को प्रारंभ हुआ । इस नए सत्र में हिंदी विभाग में प्रथम वर्ष के सेमेस्टर के लिए कुल 45 छात्राओं का नामांकन हुआ । हिंदी विभाग की छात्राओं का वार्षिक परिणाम अच्छा रहा । तृतीय वर्ष में 40 छात्राओं में से 32 प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुईं । सर्वाधिक अंक रामभतेरी (7.716) ने प्राप्त किए । द्वितीय वर्ष में 51 छात्राओं में से 36 प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुईं । सर्वाधिक अंक अन्नू मिश्रा (7.92) और निहारिका (7.93) ने प्राप्त किए । प्रथम वर्ष में 45 छात्राओं में से 37 प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुईं, सर्वाधिक अंक नज़मा (8.09) ने प्राप्त किए ।

30 अगस्त 2018 को 'तुलसी जयन्ती' कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस समारोह में विशिष्ट वक्ता के रूप में हिंदी विभागाध्यक्ष और अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. मोहन आमंत्रित थे ।उन्होंने 'वर्तमान सन्दर्भ में तुलसी की प्रासंगिकता' विषय पर व्याख्यान दिया । हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ.संगीता वर्मा ने कार्यक्रम का सञ्चालन किया तथा साथ ही कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में रामायण की कथानाक पर आधारित 'नव पंचवटी' नाटिका का प्रदर्शन किया गया । इसका निर्देशन डॉ. मनोज कुमार ने किया था । प्राचार्या डॉ. कल्पना भाकुनी की कार्यक्रम के दौरान गरिमामयी उपस्थिति रही ।

14 एवं 15 सितम्बर 2018 को हिंदी दिवस के अवसर पर 'हिंदी साहित्य उत्सव' का आयोजन किया गया । इसके अंतर्गत 14 सितम्बर को कविता पाठ कार्यक्रम का आयोजन कमला नेहरू कॉलेज के वृहद् सभागार में किया गया । कार्यक्रम का सञ्चालन हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता वर्मा ने किया । कविताएँ प्रस्तुत करने वाले लब्ध प्रतिष्ठित कवि थे - डॉ. लक्ष्मीशंकर वाजपेई, डॉ. मंजू गुप्ता, डॉ. हरीश अरोड़ा, डॉ. अचना विमल, राधाकांत, सुमेधा शर्मा, अनूप पाण्डेय आदि । कविता पाठ कर्यक्रम में सान्निध्य प्राचार्या डॉ. कल्पना भाकुनी का था । कवितायें राष्ट्रवादी और स्त्रीवादी विचारों से पूर्ण थी ।

'हिंदी साहित्य उत्सव' के दूसरे दिन 'सृजन' द्वारा मौलिक कविता पाठ प्रतियोगिता, और 'अभिव्यक्ति' के द्वारा 'वैश्विक होती हिंदी ने रोजगार के अवसर बढ़ाए हैं' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । कविता पाठ प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. विपिन गुप्त, वैश्य कॉलेज हरियाणा, और डॉ. अनीता यादव, गार्गी कॉलेज उपस्थित थीं । आचार्य नरेन्द्र देव कॉलेज के क्षितिज जायसवाल ने प्रथम, सत्यवती कॉलेज के चन्दन ने द्वितीय, और मैत्रेयी कॉलेज के निखिल ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया । आचार्य नरेन्द्र देव कॉलेज की मुक्ता और विदुषी सक्सेना को 'विशम्भरनाथ चल वैजयंती' प्रदान की गई । 'अभिव्यक्ति द्वारा आयोजित वाद- विवाद प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में 'अमर उजाला' के पत्रकार श्री कल्लोल चक्रवर्ती और श्री पूरन शामिल थे । मोतीलाल नेहरु कॉलेज (सांध्य) के शिवांश सिंह ने प्रथम, मैत्रेयी कॉलेज की कंचन चौहान ने द्वितीय, और, कमला नेहरु कॉलेज की कल्पना ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया । राजधानी कॉलेज के शिखा सिंह और गोविन्द कुमार पाठक को चल वैजयंती प्रदान की गई ।

दिनांक 31 अक्टूबर 2018 को हिंदी साहित्य परिषद् द्वारा एक 'समकालीन हिंदी कविता में स्त्री स्वर' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया । इसके लिए मानविकी कला संकाय, इंदिरा गाँधी मुक्त विश्वविद्यालय की मानद प्रोफेसर डॉ. सविता सिंह उपस्थित थीं । इस अवसर पर प्राचार्या डॉ. कल्पना भाकुनी विशेष रूप से उपस्थित रहीं । प्रो. सविता सिंह का व्याख्यान छात्रों द्वारा खूब सराहा गया । प्रो सविता सिंह का व्याख्यान वर्तमान सन्दर्भों के अनुकूल था ।

05 नवम्बर 2018 को विभाग द्वारा सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के नाटक 'बकरी' का प्रदर्शन विभाग के अंतिम वर्ष की छात्राओं द्वारा किया गया । यह प्रदर्शन चौपाल में किया गया था । इसका निर्देशन हिंदी विभाग के साहित्य परिषद् के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार ने किया था । इस नाटक प्रतियोगिता के सलाहकार हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉ. मोहम्मद इसराइल थे ।